Q.P. Code:00000103

[**समय**: ३ घंटे] [**पूर्णांक** : १००]

कृपया जांचें कि आपको सही प्रश्न पत्र मिला है या नहीं।

सूचनाए: **१. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।**
२. दायीं ओर के अंक पूर्ण अंक दर्शाते हैं।
3. उत्तर पुस्तिका में प्रश्न क्रमांक व उपक्रमांक अवश्य लिखे|

प्रश्न १. **निम्नलिखित अवतरणों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए|** ३०

(क) "मेरा पग-पग संगीत भार
श्वासों में स्वप्न पराग झरा
नभ के नवरंग बुनते दुकूल
छाया में मलय-बयार पली|"

अथवा

"सृजन है अधुरा अगर विश्व-भर में
कहीं भी किसी द्वार पर है उदासी,
मनुजता नहीं पूर्ण तब तक बनेगी
कि जब तक लहू के लिए भूमि प्यासी|"

(ख) "राजा असमंजस में पड़ गए| फिर ऐसा क्या हो गया?"

अथवा

"अपने दस साल के राजनीतिक जीवन में उसका ऐसा मान-मर्दन न हुआ था| जैसा आज हरिया ने किया था| घडों पानी पड़ा था उस पर|"

प्रश्न २. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए|** २०

(च) 'झाँसी की रानी' कविता एक स्त्री की शौर्य कथा है, उसे विस्तार से अपने शब्दों में लिखिए|

अथवा

'भिक्षुक' कविता कवि के यथार्थ अनुभूतियों का प्रतिनिधित्व करती है उसे स्पष्ट कीजिए|

(छ) शामनाथ माँ को छिपाना क्यों चाहते थे? उसपर विस्तार से प्रकाश डालिए|

अथवा

'पुरस्कार' कहानी की संवेदना को विस्तार से लिखिए|

प्रश्न ३. **निम्नलिखित विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए|** १०

(प) 'सिन्दूर तिलकित भाल' का भावार्थ|

XJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214B

अथवा

'बीती विभावरी जाग री' में प्रकृति का वर्णन |

(फ) 'हार की जीत' कहानी का संदेश |

अथवा

'पाजेब' कहानी में बालमनौविज्ञान |

प्रश्न ४. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर लिखिए। **१०**

१. 'पुष्प की अभिलाषा' कविता के कवि का नाम लिखिए?

i) महादेवी वर्मा, ii) जयशंकर प्रसाद, iii) नागार्जुन, iv) माखनलाल चतुर्वेदी

२. कल्पना के हाथों किस मंदिर को गढ़ा गया है?

i) सोमनाथ मंदिर, ii) अक्षरधाम मंदिर, iii) कमनीय मंदिर, iv) अलकेश्वर मंदिर

३. 'दिन कटे ऐसे कि कोई तार वीणा के मिलाकर|' यह पंक्ति किस कविता की है?

i) झाँसी की रानी, ii) दिया जलाना कब मना हैं, iii) भिक्षुक, iv) सिंदुर तिलकित भाल

४. सन १९५४ में मैथिलीशरण गुप्त जी को किस सम्मान से नवाजा गया?

i) पद्मभूषण से, ii) भारतरत्न से, iii) मंगलाप्रसाद पुरस्कार से, iv) ज्ञानपीठ से

५. श्रीकंठ सिंह किसके अपमान पर क्रोधित होता हैं?

i) पिताजी, ii) पत्नी, iii) छोटे भाई, iv) बड़े भाई

६. नारायण के पत्नी का नाम बताईए?

i) आनंदी, ii) निर्मला, iii) कांचन, iv) मधुलिका

७. अपाहिज के रूप में कौन आया था?

i) सुलतान, ii) बाबा भारती, iii) दुर्गादत्त वैद्य, iv) खड्ग सिंह

८. सैनिक किस पर शीश चढ़ाने को तैयार रहते है?

i) व्यक्तिगत स्वार्थ के लिए, ii) दुश्मन के फायदे के लिए,

iii) समाज के फायदे के लिए, iv) मातृभूमि के लिए

९. साहब को कहाँ की दस्तकारी देखनी थी?

i) उदयपुर, ii) हरिद्वार, iii) जयपुर, iv) पंजाब

१०. 'बड़े घर की बेटी' कहानी में बेनीमाधव सिंह किस गाँव के जमींदार थे।

i) बनारस, ii) लमही, iii) गौरीपुर, iv) वाराणसी

प्रश्न ५. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर पत्र लिखिए| **१०**

(त) दैनिक समाचार पत्र में छपे हुए विज्ञापन **'कला महाविद्यालय, मुंबई – ४००००१, हिंदी सहायक**

XJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214B

प्राध्यापक' पद के लिए अपनी योग्यता का विवरण देते हुए आवेदन पत्र लिखिए|

अथवा

परीक्षा में प्रथम स्थान प्राप्त होने पर पिताजी को पत्र लिखिए|

प्रश्न ६. अ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए| १०

१) निम्नलिखित वाक्य का शुद्ध रूप लिखिए|

i) दोनों मित्र में घोर संबंध है |

ii) हमें क्रम में विश्वास रखना होगा |

२) निम्नलिखित वाक्य में संज्ञा शब्द पहचानिए |

i) मुझे अपनी मित्रता पर गर्व है |

ii) उसकी झुँझलाहट बढ़ती जा रही है |

३) निम्नलिखित वाक्य में सर्वनाम शब्द पहचानिए |

i) मुझे लकड़ी की कुर्सियाँ चाहिए |

ii) तुम बहुत कुछ कहना चाहते हो |

४) निम्नलिखित वाक्य में क्रिया पहचानिए |

i) अध्यापक ने पाठ दोहराया |

ii) दरवाजा खटखटाना ठीक रहेगा |

५) निम्नलिखित वाक्य में विशेषण शब्द पहचानिए |

i) काला घोड़ा सुंदर लग रहा है |

ii) अभी सरोवर में थोड़ा जल है |

(ब) निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए | १०

प्राचीन काल में अष्टवक्र नाम के एक महर्षि हुए जो अत्यंत विद्वान और ज्ञानी थे | अष्टवक्र शरीर से विकलांग और आठ अंगों से टेढे थे | वे ठीक तरह से चल भी न सकते थे | उनकी कुरूपता को देखकर सब उन पर हंसते थे | कहते हैं कि किसी शाप के कारण ही उनका जन्म इस रूप में हुआ और नाम मिला- अष्टवक्र | अपनी कुरूपता और विकलांगता को अष्टवक्र ने कभी अपने मार्ग की बाधा नहीं बनने दिया | वे मानते थे कि शरीर से बड़ी आत्मा है। शरीर भले ही टेढ़ा-मेढ़ा हो परन्तु आत्मा सुंदर और शुद्ध होनी चाहिए | अष्टवक्र बचपन से ही ज्ञानी थे और उनमें विद्या प्राप्ति की लालसा थी | बारह वर्ष की उम्र तक वे महान विद्वान बन गए थे। एक बार अपने पिता के बारे में पूछते हुए उन्हें ज्ञात हुआ कि उनके पिता को राजा जनक के दरबार में एक विद्वान से शास्त्रार्थ में पराजित होने के कारण अपमानित होना पड़ा था | दंड भी मिला था। बस! अष्टवक्र ने उसी समय निश्चय किया कि वे राजा जनक के दरबार में जाकर उस विद्वान से शास्त्रार्थ करेंगे और उसे हरा देंगे | वे जैसे ही राजा के सम्मुख पहुंचे कि सभी सभासद जोर-जोर से हँसने लगे | यहाँ तक कि राजा जनक भी अपनी हँसी पर नियंत्रण न कर पाए | अष्टवक्र ने जोर का ठहाका मारा। सभासदों की हँसी की आवाज इस

XJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214B

ठहाके से दब गई | सभी स्तब्ध रह गए। राजा जनक अचंभित थे | उनसे रहा न गया | पूछा – बालक ! तुम इतनी ज़ोर से क्यों हँसे ? अष्टवक्र ने प्रश्न के उत्तर में प्रश्न किया – राजन ! पहले आप बताएँ कि आप सब क्यों हँसे? राजा जनक कुछ क्षण चुप रहे पर उत्तर तो देना ही था | बोले - बालक ! वास्तव में हमारे हँसने का कारण तुम्हारी कुरूपता थी | मैं अपनी और अपने सभासदों की अशिष्टता के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ। अब अष्टवक्र ने कहा - राजा जनक, मैंने सुना था कि आपकी सभा में बड़े - बड़े विद्वान और ज्ञानी व्यक्ति हैं और में उनसे शास्त्रार्थ करने आया था, परन्तु मुझे तो यहाँ सब हाड़-मांस के शरीर के पुजारी लगते हैं | ये तो शरीर को ही देख रहे हैं, ज्ञान को तो भुला चुके हैं | राजा जनक को आश्चर्य हुआ, क्या इतनी कम उम्र में भी कोई विद्वान हो सकता है ? उन्होंने प्रश्न किया-मुझे यह बताएँ कि ज्ञान कैसे प्राप्त होता है? और मुक्ति कैसे मिलती है ? राजन यदि ज्ञान चाहते हो तो अहंकार त्यागकर सबसे सीखो और मुक्ति चाहते हो तो भोग को विष के समान त्याग दो | क्षमा, दया, संतोष, सत्य और सरलता को हृदय में धारण करो | राजाने अनेक प्रश्न पूछे | अष्टवक्र ने शांत भाव से विद्वतापूर्ण उत्तर दिए | अनुमति मिलने पर उन्होंने सभापंडित से शास्त्रार्थ किया और उन्हें हरा दिया | अष्टवक्र ने अपनी पूरी आयु ज्ञान की आराधना की, उन्होंने अपने शरीर को अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति पर कभी हावी नहीं होने दिया|

१) अष्टवक्र कौन थे? उनका नाम अष्टवक्र क्यों पड़ा?

२) राजा जनक के दरबार में जाकर शास्त्रार्थ करने के पीछे अष्टवक्र का क्या उद्देश्य था?

३) क्या कारण था कि राजा जनक और उनके सभासद अष्टवक्र को देखकर हँसने लगे? इस पर अष्टवक्र ने क्या किया?

४) अष्टवक्र को ऐसा क्यों लगा कि सभासद ज्ञानी नहीं हैं?

५) अष्टवक्र में ऐसे कौन-कौन से गुण थे जिनके कारण उन्हें ज्ञानी माना गया?

XJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214BXJAYANTOY38214B